दूसरों को समझाइए कि समलैंगिकता के बारे में आप क्या मानते हैं

इस अभ्यास के ज़रिए दूसरों को बिना ठेस पहुँचाए अपने विश्वास के बारे में बताने के तरीके ढूँढ़िए।

"तुम्हारे बोल हमेशा मन को भानेवाले . . . हों। तब तुम्हें हर किसी को सही तरह से जवाब देना आ जाएगा।"—कुलुस्सियों 4:6.

1

जवाब देने से पहले सोचिए:

कई बार जब लोग कहते हैं कि बाइबल की बातें पुरानी हो चुकी हैं, तो ***असल में*** उनके कहने का मतलब होता है कि इसमें दिए स्तर उनके स्तरों से अलग हैं। क्या आपको लगता है कि जिस व्यक्ति से आप बात कर रहे हैं वह यह मानता है कि बाइबल की ***हर*** बात हमारे ज़माने के लिए नहीं है? जैसे चोरी, व्यभिचार और हत्या के बारे में इसमें दिए कानून?—रोमियों 13:8-10.

किन वजहों से वह ऐसा सोचती है?	उसके मन में क्या चल रहा है, यह जानने के लिए आप और कौन-से सवाल पूछ सकते हैं?	आप उसे कौन-सी आयतें दिखा सकते हैं?

अपना जवाब लिखिए

"बाइबल की बातें पुरानी हो चुकी हैं!"

"कुछ लोग ऐसा कहते हैं। मगर मैं ऐसा नहीं मानती क्योंकि . . . "

www.jw.org © 2016 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

2

“समलैंगिक लोग कभी नहीं बदल सकते, वे बचपन से ही ऐसे होते हैं।”

जवाब देने से पहले सोचिए:

समलैंगिक लोगों में यह इच्छा जन्म से होती है या नहीं, इस बारे में बाइबल कुछ नहीं बताती। इसलिए इस बात पर बहस करने के बजाय कि लोग समलैंगिक ***क्यों होते हैं,*** इस बारे में बात कीजिए कि समलैंगिक ***काम*** सही हैं या गलत।

इसे समझाने के लिए एक मिसाल दीजिए। कुछ बातें हममें गहराई तक समायी होती हैं जैसे नीतिवचन 29:22 कहता है, कई लोग ***“गुस्सैल”*** होते हैं या ***“बात-बात पर*** भड़क” उठते हैं। प्रेषित पौलुस ने अपने बारे में कहा, “जब मैं अच्छा करना चाहता हूँ, तो अपने अंदर बुराई को ही पाता हूँ।” (रोमियों 7:21) क्या हमें हर बार अपनी इच्छा को खुद पर हावी होने देना चाहिए?

किन वजहों से वह ऐसा सोचती है?	उसके मन में क्या चल रहा है, यह जानने के लिए आप और कौन-से सवाल पूछ सकते हैं?	आप उसे कौन-सी आयतें दिखा सकते हैं?

अपना जवाब लिखिए

“समलैंगिक लोग कभी नहीं बदल सकते, वे बचपन से ही ऐसे होते हैं।”

“समलैंगिक लोगों में यह इच्छा जन्म से होती है या नहीं, इस बारे में बाइबल कुछ नहीं बताती। मगर ***यह ज़रूर*** बताती है कि . . . ”

www.jw.org © 2016 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

3

“तुम्हें समलैंगिकता के बारे में अपनी सोच बदलनी चाहिए।”

जवाब देने से पहले सोचिए:

क्या वह इसलिए ऐसा कह रहा है क्योंकि उसका कोई दोस्त या रिश्तेदार समलैंगिक है? क्या उसे लगता है कि किसी के ***कामों*** से नफरत करके हम उस ***व्यक्ति*** से नफरत कर रहे होते हैं? क्या वह अच्छी तरह ***जानता है*** कि समलैंगिकता के बारे में आपका क्या नज़रिया है?

यह भी सोचिए: आपको अपनी तरह सोचने पर मजबूर करके क्या दूसरे आप पर अपनी राय नहीं थोप रहे?

किन वजहों से वह ऐसा सोचता है?	उसके मन में क्या चल रहा है, यह जानने के लिए आप और कौन-से सवाल पूछ सकते हैं?	आप उसे कौन-सी आयतें दिखा सकते हैं?

अपना जवाब लिखिए

“तुम्हें समलैंगिकता के बारे में अपनी सोच बदलनी चाहिए।”

“मैं समझ सकता हूँ कि तुम ऐसा क्यों सोचते हो, लेकिन . . . ”

ज़्यादा जानने के लिए, अप्रैल 2011 की *सजग होइए!* का यह लेख देखिए: “दूसरों को कैसे समझाऊँ कि बाइबल समलैंगिकता के बारे में क्या कहती है?” यह लेख www.jw.org पर उपलब्ध है। इसके लिए **प्रकाशन** > **पत्रिकाएँ** देखें।

www.jw.org © 2016 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania